

चिकित्सा-विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गजट

पत्र व्यवहार हेतु पता :-
सम्पादक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गजट
127/204 'एस' जूही, कानपुर-208014

सम्पर्क सूत्र :- 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष - 48 • अंक - 20 • कानपुर 16 से 31 अक्टूबर 2026 • प्रधान सम्पादक - डा० एम० एच० इंदरीसी • वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में निस्वार्थ कार्य करने वालों का सम्मान तो होना ही चाहिये—डा० इंदरीसी

कार्य करने वालों का सम्मान तो होना ही चाहिये सम्मान व्यक्ति को औरों से श्रेष्ठ बनाता है, जिससे सम्मान पाने वाले व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा अपने आप बढ़ जाती है यह विचार बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ०प्र० के चेयरमैन य इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (इहमाई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० एम० एच० इंदरीसी ने इहमाई के प्रशासनिक कार्यालय, 8-लालबाग, लखनऊ में दिनांक 30 सितम्बर, 2026 को एम. डी. अशोक कुमार रस्तोगी को जनपद लखनऊ का अध्यक्ष मनोनीत होने पर हर्ष व्यक्त करते हुये कहा, इसके साथ ही यह भी बताया कि इसी प्रकार गोण्डा से एम. डी. अनिल कुमार पाण्डेय आगरा से एम. डी. वन्दना कुशवाह तथा अलीगढ़ मण्डल की श्रीमती मीहराणी एवं आगरा मण्डल से एम. डी. उमेशचन्द्र भरद्वाज को मण्डल अध्यक्ष मनोनीति किया गया है, डा० इंदरीसी ने कहा कि काम तो हर व्यक्ति करता है लेकिन कुछ व्यक्ति ऐसे भी होते हैं जिनके किये हुए कार्य वर्षों तक याद किये जाते हैं और समाज हित में भी होते हैं, डा० इंदरीसी ने आगे कहा कि हमें याद आता है कि इस जनपद में योग्य और पढ़े लिखे हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों की बहुत कमी थी स्व० डा० आर० के० कपूर ने समाज की इस पीड़ा को जाना और जनहित में इलेक्ट्रो होम्योपैथी विद्यालय की स्थापना की और क्षेत्र को शिक्षित चिकित्सक उपलब्ध कराये, हम डा० कपूर के इस कार्य की प्रशंसा करते हैं और

अपेक्षा करते हैं कि उनके पुत्र Dr. आशुतोष कपूर भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए इसी तरह अपना

योगदान देते रहेंगे।
इस कार्यक्रम में प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष एम. डी. पी० आर० घुसिया ने सम्बोधित

करते हुए बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संस्थाओं एवं चिकित्सकों का एक राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 25

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों पर कोई समस्या आती है तो यह संगठन अपना यथा सम्भव सहयोग प्रदान



इहमाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० एम० एच० इंदरीसी डा० रस्तोगी को मनोनीयन प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुये—छाया गजट



इहमाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० एम० एच० इंदरीसी डा० रस्तोगी को माल्यार्पण करते हुये—छाया गजट



श्री मिथलेश कुमार मिश्रा संयुक्त सचिव इहमाई डा० घुसिया को माल्यार्पण करते हुये



इहमाई के मनोनीयन कार्यक्रम के बाद एक साथ बायें से श्री एम० के० मिश्रा, डा० पी० एम० कुशवाह, डा० पी० आर० घुसिया, डा० एम० एच० इंदरीसी, डा० आशुतोष कपूर एवं नव मनोनीत अध्यक्ष डा० अशोक कुमार रस्तोगी



इहमाई के संयुक्त सचिव श्री मिथलेश कुमार मिश्रा डा० आशुतोष कपूर को माल्यार्पण करते हुये—छाया गजट

जुलाई 1978 में हुई थी जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा एवं अनुसंधान तथा विकास हेतु स्वतंत्र नियामक की भूमिका निभाता है इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हितों के लिए सदैव संघर्षरत रहता है। लखनऊ मण्डल के प्रगारी Dr. आशुतोष कपूर ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि देश/प्रदेश में कहीं से जब

करता है।
कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्व श्री एम. डी. प्रताप नारायण कुशवाहा, श्री मो० नसीम, श्री हमजा एवं लखनऊ के गणमान्य व्यक्तियों ने अपना कीमती समय निकाल कर कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, यह जानकारी हमारे गजट संवाददाता को श्री मिथलेश कुमार मिश्रा संयुक्त सचिव इहमाई द्वारा दी गयी।

तारे ज़मीं पर वही लाते हैं जिसमें आत्मबल होता है

“ भारतवर्ष में अभी भी अधिकांशक की मर्जी से ही व्यवसाय का चयन होता है बालक या बालिका में प्रतिस्पर्धा पार करने की समता हो या न हो पर माता पिता वही चाहता है कि उसका पाल्य उसकी इच्छा का सम्मान करे और जो वह चाहता है उसी क्षेत्र में जाये, चाहे वह उसके बूते की बात हो या न हो।”



पाल्य जब नीट की परीक्षा पास नहीं कर पाता तब माता पिता अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने पाल्य का प्रवेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी में करा देते हैं और यहीं से शुरू होती है सपनों की रंगीन दुनियाँ, माता पिता सपना देखते हैं कि उसका पाल्य चिकित्सक बन जायेगा और जो सपना पूरा करने वाला है बालक या बालिका वह अपने भविष्य के रंगीन सपने देखने लगता है कि चार या पाँच वर्ष के बाद वह डाक्टर बनकर निकलेगा समाज में सम्मान अर्जित करेगा, प्रवेश लेते ही उसके सपनों में पंख लग जाते हैं वह स्वर्णिम भविष्य की अच्छी कल्पनाओं में खो जाता है, वह मन ही मन इतना प्रसन्न होता है कि अब वह अपनी सारी इच्छायें पूरी कर लेगा, आवश्यकताओं की हर वस्तुओं के साथ-साथ सुविधायोगी वस्तुयें भी अपने लिए अर्जित कर लेगा, लेकिन धीरे-धीरे जैसे-जैसे समय बीतता है तब वह मान्यता के सपनों में खो जाता है, यह तो अच्छी बात है कि कुछ लोग यह स्पष्ट बता देते हैं कि अभी इस पद्धति को मान्यता नहीं मिली है, कुछ ऐसे भी होते हैं जो पता नहीं क्या-क्या कह देते हैं ! और इसी क्या-क्या की छेड़बुन में नव प्रवेशी जो पुराना हो चुका होता है काफी कुछ सपने देख चुका होता है वह अपने आपको ठग सा समझने लगता है, अब वह आन्दोलन की राह पर चलता है रोज नई कल्पनायें बनती बिगड़ती हैं और इसी कल्पना लोक में विचरण करते हुए वह अपना कोर्स तक पूरा कर लेता है, अब उसके सामने दायित्व होता है कि वह अपने भविष्य का निर्माण कैसे करे ? इसी भविष्य के निर्माण के लिए वह ऐसा कुछ कर देता है जो उसे नहीं करना चाहिये, चिकित्सकीय चकाचौंध में फँसकर बहुत कुछ जल्दी जल्दी पाने की लालसा में उसका रुझान एलोपैथी की तरफ हो जाता है।

उसके इस रुझान से उसका तो क्षणिक भला हो जाता है परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी का भला नहीं हो पाता, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के भले के लिए आवश्यकता है कि अधिक से अधिक संख्या में हमारे चिकित्सक अपनी ही विद्या से चिकित्सा व्यवसाय करें और रोगियों को स्वस्थता प्रदान करें इससे चिकित्सक को आत्म - संतुष्टि का अनुभव होता है और वह अपनी पूरी क्षमता से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का समर्थक भी हो जाता है किसी एक चिकित्सक की प्रगति को देखकर उसके साथियों को भी यह प्रेरणा मिलती है कि वह भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के शुद्ध चिकित्सक बने।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति बड़ी तेजी के साथ प्रगति के रास्ते पर चल रही है, केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा जो सकारात्मक रुख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए दिखाया जा रहा है वह हमारी आशाओं को बल प्रदान करने वाला है, यह निर्विवाद सत्य है कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यक्ति निरन्तर प्रयास करता है कुछ भाग्यशाली व्यक्ति होते हैं जो प्रथम प्रयास में ही लक्ष्य भेद लेते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें लक्ष्य पाने के लिए बार-बार प्रयास करने पड़ते हैं और यदि आदमी प्रयास करे तो सफलता प्राप्त होती ही है जब सफलता नहीं मिलती है तो हमें अवसर भी मिलता है कि हम अपनी विफलता का विरलेक्षण करें और जो कमियाँ प्राप्त हो उन्हें दूर करने का प्रयास करें, समय की गति निरन्तर आगे बढ़ रही है, जो प्रचलित चिकित्सा पद्धतियाँ हैं वहाँ काम भी हो रहा है, शोध भी हो रहे हैं, सरकारी सहयोग व समर्थन भी मिल रहा है, उनके कार्यों का मूल्यांकन भी हो रहा है परन्तु हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी को इन सारी व्यवस्थाओं को पार करना है काम भी बहुत करना है शोध के रास्ते ढूँढ़ने हैं, सरकारी सहयोग व समर्थन तो मिल रहा है लेकिन हम उसका उपयोग भी नहीं कर पा रहे हैं और जो कार्य हो रहा है उसका वास्तविक मूल्यांकन नहीं हो रहा है परिणामतः हमारे कार्यों में सुधार नहीं हो पा रहा है, कार्य तो करने ही होंगे, साधनों का अभाव नहीं है हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथी में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, अवसर भी हमें ही तलाशने हैं और इन अवसरों को सही उपयोग करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थिति को मजबूत करना है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता या नियामितकरण दोनों ही स्थिति में सरकार आपके कार्यों को देखेगी और कार्य भी ऐसे हों जिनका कोई प्रतिकूल प्रभाव न हो, सरकार हमारी योग्यता और प्रतिभा को देखकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अपनी स्वास्थ्य नीति में समाहित करने के लिए विवश हो जाये, धरातल पर यथार्थ व मूर्तरूप हम और हमारे साथी ही देंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

धूम-धाम से सम्पन्न हुआ भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट का स्वर्ण जयंती समारोह

भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट, जौनपुर ने अपने स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण कर एक कीर्तिमान स्थापित किया, भगवान महावीर

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट, जौनपुर की स्थापना वर्ष 1982 में स्व० डा० राम अकबाल मौर्य जी द्वारा हुयी थी जिसकी सम्बद्धता बोर्ड ऑफ़

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ०प्र० लखनऊ से है, इससे पूर्व स्व० राम अकबाल मौर्य जी ने आयुर्वेदिक महाविद्यालय की शेष पेज 4 पर



BMEH Institute के 50 स्थापना दिवस समारोह में मंचासीन बायें से दायें सर्वश्री डा० आशुतोष कपूर, डा० पी० के० मौर्य (BMEH Institute Jaunpur के प्राचार्य), डा० पी० आर० घुसिया डा० एम० एम० इंदरीसी (मुख्य अतिथि) श्री मिथलेश कुमार मिश्रा एवं डा० आर० के० शर्मा-छाया मजट



BMEH Institute के 50 स्थापना दिवस समारोह में डा० एम० एम० इंदरीसी चेयरमैन बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन को फूलों से इस तरह स्वगत किया गया छाया मजट



BMEH Institute के 50 स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर श्री मिथलेश कुमार मिश्रा संयुक्त सचिव इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया को माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया गया

नोट:- कार्यक्रम संबन्धित अन्य छाया चित्र पेज 3 पर देखें

भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक का 50वाँ पेज 2 से आगे



BMEH Institute, Jaunpur के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि डा० एम० एच० इंदरीसी Chairman B.E.H.M. U.P. से स्मृति चिन्ह व प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुये श्री राकेश कुमार साहू।
— छाया गजट



BMEH Institute, Jaunpur के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि डा० एम० एच० इंदरीसी Chairman B.E.H.M. U.P. को माला पहना कर स्वागत करते हुये श्री पटेल जी।
— छाया गजट



B.M.E.H. Institute, Jaunpur के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा० एम० एच० इंदरीसी Chairman B.E.H.M. U.P. को स्मृति चिन्ह देते हुये डा० विनय कुमार मौर्य।
— छाया गजट



भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्स्टीट्यूट, जौनपुर के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित चिकित्सक, छात्र चिकित्सक, एवं गणमान्य नागरिकों का सैलाब



भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्स्टीट्यूट, जौनपुर के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर EH डा० प्रमोद कुमार मौर्य मुख्य अतिथि डा० एम० एच० इंदरीसी के उपस्थिति में अपनी गतिविधियां एवं उपलब्धियों को बताते हुये।
— छाया गजट

धूम-धाम से सम्पन्न हुआ भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पेज 2 से आगे

स्थापना वर्ष 1976 में करके आयुर्वेद के कोर्स संचालित किया करते थे।

जब आयुर्वेदिक कोर्स में प्रवेश का माध्यम सी० पी० एम० टी० हो गया (शुरुआत में सी० पी० एम० टी० जो 1960 के दशक से शुरू हुई थी केवल एम०बी०बी०एस० और बी० डी० एस० जैसी एलोपैथिक सीटों के लिये थी, बाद में राज्य सरकार ने भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी - **AYUSH courses**) की प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता और एकरूपता लाने के लिये इन्हें भी सी० पी० एम० टी० परीक्षा के अन्तर्गत जोड़ दिया, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सी० पी० एम० टी० औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया गया।

वर्ष 2017 से वर्तमान में आयुर्वेदिक (BAMS), यूनानी (BUMS) और होम्योपैथिक (BHMS) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये देश भर में **NEET UG** परीक्षा को अनिवार्य कर दिया गया है, अब

प्रवेश ऑल इण्डिया कोटा और राज्य आयुष काउंसिलिंग प्राधिकारियों द्वारा पूरी तरह नीट मेरिट के आधार पर किया जाता है।

चूँकि उस समय डा० राम अकबाल मार्य जी का संस्थान आयुर्वेदिक चिकित्सा परिषद से मान्य नहीं हो सका और डा० राम अकबाल मार्य जी में सेवा व चिकित्सा की भावना प्राकृतिक रूप से कूट-कूट कर गयी थी (बहुत कम लोगों में यह गुण पाये जाते हैं)।

तब डा० मार्य जी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कालेज की स्थापना की, भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इंस्टिट्यूट, जौनपुर आज अपना 50वाँ स्थापना दिवस समारोह स्थानीय यु०पी० प्रेस क्लब में मना रहा है, समारोह का शुभारम्भ बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ०प्र० लखनऊ के चेयरमैन डा० एम० एच० इंदरीसी जी ने डा० मैट्टी के चित्र पर माल्यार्पण करके किया, डा० इंदरीसी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सम्बन्ध में बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के

आदेश के अनुपालन में उ०प्र० सरकार द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया जा चुका है, इस शासनादेश के क्रियान्वयन हेतु महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ०प्र० द्वारा भी कमरा: 2 सितम्बर, 2013 एवं दिनांक 14-03-2016 को प्रदेश के समस्त मुख्य चिकित्साधिकारियों/अपर निदेशकों को शासन द्वारा जारी आदेश के परिपालन हेतु निर्देश पूर्व में जारी किये जा चुके हैं, डा० इंदरीसी ने यह भी बताया कि अभी अप्रैल एवं अगस्त में पुनः महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ०प्र० ने बोर्ड द्वारा पंजीकृत चिकित्सकों के सम्बन्ध में आदेश जारी किये हैं।

कार्यक्रम को सम्मोहित करते हुये डा० मिथलेश कुमार मिश्रा संयुक्त सचिव इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ने कहा कि प्रतीक्षा की प्रदियां समाप्त हो चुकी हैं सकारात्मक परिणाम दरवाजे पर हैं, आये हुये लोगों को आज के दिन की

बधाई देते हुये सभी चिकित्सकों से अपील की कि निडर होकर प्रैक्टिस करें, गुजरात से आये हुए डा० हर्ष मौर्य ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डाला।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ०प्र० लखनऊ के प्रबन्ध कमेटी के सदस्य लखीमपुर से पधारे डा० आर० कें० शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि आज अपने ही कुछ इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्थायें सरकारी संरक्षण में बाधा डाल रही हैं क्योंकि वे अनाधिकृत रूप से सी० ई० एम० एस० की डिग्री जारी कर रही हैं, कुछ इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवा विक्रेता गलत दवायें दे रहे हैं जो रोग में प्रभाव नहीं डालती हैं, डा० शर्मा ने कहा कि बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ०प्र० लखनऊ से पंजीकृत चिकित्सकों को प्रैक्टिस करने में कोई बाधा नहीं है चिकित्सक अपना रजिस्ट्रेशन कराकर जिला पंजीयन कराकर तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का

सदस्य बनकर अधिकार पूर्वक प्रैक्टिस करें, उन्होंने यह भी बताया कि बोर्ड से अधिक मजबूत प्रदेश में कोई संस्था नहीं है क्योंकि बोर्ड को भारत सरकार एवं राज्य सरकार से आदेश प्राप्त हैं भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इंस्टिट्यूट जौनपुर के प्राचार्य डा० प्रमोद कुमार मौर्य जी ने आये हुए लगभग 100 लोगों को स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निम्न लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये सर्वश्री डा० आशुतोष कपूर लखनऊ, डा० एस० एम० राय शाहगंज (जौनपुर), डा० राकेश कुमार शर्मा लखीमपुर खीरी, डा० चन्द्रशेखर पटेल बाराणसी, डा० पी० आर० घुसिया लखनऊ, डा० शैलेन्द्र कुमार वर्मा जौनपुर, डा० सैयद नदीम हुसैन जौनपुर आदि।

कार्यक्रम का संवादन स्वयं डा० प्रमोद कुमार मौर्य ने किया अन्त में सभी आये हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये भारत सरकार के DHR एवं IDC की गतिविधियों पर गम्भीर चर्चा लखनऊ में सम्पन्न

लखनऊ- 13 अक्टूबर, 2026 स्थानीय लाल बाग में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के बैनर तले भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) एवं अन्तरविभागीय समिति (IDC) की गतिविधियों पर चर्चा के लिए एक आवश्यक बैठक बोर्ड के मुख्यालय में सम्पन्न हुई, जिसमें स्थानीय पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों ने प्रमुख रूप से भाग लिया, इस अवसर पर स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) और अन्तरविभागीय समिति (IDC) की जो गतिविधियां अन्दर चल रही हैं एवं इनके आगे की रणनीति पर जबरदस्त चर्चा की गयी, जिसमें चर्चा तो गर्मा गर्म थी इस चर्चा में हर पहलू पर गम्भीर चिन्तन किया गया, लोगों ने पक्ष और विपक्ष में भी हर पहलू पर एक दूसरे से मंत्रणा भी की, सभी के विचारों का आदान प्रदान हुआ अध्यक्ष महोदय द्वारा जो रणनीति तय की गयी उसे अध्यक्ष जी द्वारा यह कहते हुये सुरक्षित किया गया कि अति शीघ्र ही इस पर निर्णय लिया जायेगा, उस पर संबंधित संस्थानों एवं अध्ययन केन्द्रों एवं



भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) एवं अन्तरविभागीय समिति (IDC) की गतिविधियों पर भाग लेते हुये सर्वश्री मिथलेश कुमार मिश्रा, नरेन्द्र भूषण निगम, डा० प्रताप नारायण कुशवाहा, ई०एच० डा० अशोक कुमार रस्तोगी, डा० पी०आर० घुसिया, डा० आशुतोष कपूर आदि।



भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) एवं अन्तरविभागीय समिति (IDC) की गतिविधियों पर बैठक की अध्यक्षता करते हुये बोर्ड के चेयरमैन डा० एम०एच० इंदरीसी

चिकित्सकों को भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आदेश दिनांक 25 नवम्बर, 2003 के अनुसार आवश्यक निर्देश जारी किये जायेंगे इस बैठक में निम्न पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों ने अपने-अपने विचार रखे जिसमें सर्व श्री मिथलेश कुमार मिश्रा, नरेन्द्र भूषण निगम, डा० प्रताप नारायण कुशवाहा, डा. अशोक कुमार रस्तोगी, डा० पी०

आर० घुसिया, डा० आशुतोष कपूर आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

इस कार्यक्रम की विशेष रूप से संयुक्त बैठक की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ०प्र० के चेयरमैन डा० एम०एच० इंदरीसी जी ने की।

बी० ई० एच० एम० के लिए डा० अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर-14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर-14 से प्रकाशित किया।